वार्तालाप नं. 488 नागपुर पार्ट-2, (महाराष्ट्र) दिनांक 09.01.08

Disc.CD No.488, Dt. 09.01.08, Nagpur Part-2 (Maharashtra)

समयः 05.30-08.03

जिज्ञासुः- बाबा सतयुग में बोलते है कि सोने का महल रहेगा। पर अपन बच्चे सोचते हैं कि एड़वान्स में कि झाड़ है इसके महल रहेंगे लेकिन घर में बच्चे बोलते हैं कि अभी हम 2000 की बात नहीं जानते तो हम पांच हजार की कैसे जानेंगे? कैसे हम साबित करेंगे? वहाँ महल होगा जब अव्यक्त रहेंगे, स्व स्थिति रहेंगे तो वहाँ महल कैसा होगा? बी.के.वाले बोलते हैं कि, अपन बच्चे जाते हैं बी.के. में, बोले की दादी तो ऐसी बोलती है।

बाबाः- महल कहो, किला कहो, बात तो एक ही है कि अलग-2 बात है?

जिज्ञासुः- एक ही बात है।

Time: 05.30-08.03

Student: Baba, it is said that there will be golden palaces in the Golden Age, but we children in the advance party think that there will be trees, there will be ...we will live in such palaces. But in our home, children say, now we do not even know about 2000 years (history), how can we know about five thousand years? How will we prove that there will be palaces there? When we will be *avyakt*, when we will be in the self-stage, then how will there be palaces there? BKs say so. Our children go to the BK as well, so they say Dadi says so.

Baba: Call it a palace or a fort, it is one and same or is it different?

Student: It is one and the same.

बाबा- किला होता संगठन का। तो जो श्रेष्ठ आत्माओं का संगठन तैयार होता है, वही नई दुनिया का किला है, वही नई दुनिया का संगठन रूपी महल है और सोना सच्चाई को कहा जाता है। सोने के महल में कोई रहता नहीं है। मेटल के महल में रहा भी नहीं जा सकता। एक मुहावरा है - सोने के महल। यह एक मुहावरा है। शेर-बकरी एक घाट पानी पीते थे। ये मनुष्यात्माओं की यादगार है। मनुष्य ही कोई बकरी के स्वभाव-संस्कार वाले और कोई शेर के स्वभाव संस्कार वाले। दोंनो प्रकार की आत्मायें बाप की सभा में एक साथ बैठकर ज्ञान जल पीती है। उसका यादगार शास्त्रों में लिखा हुआ है - सोने के महल। बाकी कोई सोने के महल होते नहीं है, घी-दूध की नदियाँ बहती नहीं है। ये सुख की बात है कि वहाँ दूध-घी की कमी नहीं होगी और यहाँ घी-दूध मिलता भी नहीं है। मिलता है तो पानी वाला मिलता है।

Baba: Fort is [the fort] of a gathering. So, the gathering of righteous souls that gets ready is the fort of the new world; it is the gathering like palace of the new world. And gold means truth. Nobody lives in a golden palace. We can't even live in a metal palace. It is a proverb, 'palaces of gold'. This is a proverb. Lion and goats used to drink water from the same source. This is a memorial of human souls. There are some human beings with the nature and *sanskars* of goats and some have the nature and *sanskars* of lions. Both kind of souls sit together in the Father's classroom and drink the water of knowledge together. Its

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

memorial has been mentioned in the scriptures as, 'palaces of gold'. As such there are no palaces of gold [in reality], rivers of ghee and milk do not flow [in reality]; it is about happiness that there will not be any shortage of milk and ghee there whereas here, we do not even get ghee and milk. Even if we get it is watery.

समयः 08.06-18.55

जिज्ञासुः- बाबा त्रिमूर्ति में जो नारायण दिखाते हैं चार भुजायें।तो दो ऊपर में, दो नीचे में दिखाते हैं। चक्र, शंख, गदा और कमल भी। त्रिमूर्ति की यादगार है - दो हाथ ऊपर, दो हाथ नीचे, उसका क्या यादगार है?

Time: 08.06-18.55

Student: Baba, in Trimurty, Narayan is shown to have four arms. Two above and two below. And also discus (*chakra*), conch (*shankh*), club (*gadaa*) and lotus (*kamal*). There is a memorial in Trimurty two arms above and two below, what is it a memorial of?

बाबाः- विष्णु के हाथों में चार हाथों में चार आयुध दिखाये गये हैं। ऊपर के दो हाथ हैं, उनमें दिखाया है शंख और चक्र और नीचे के दो हाथ में गदा और पदम। एक मुरली में बोला है - शंकर की जगह अगर मम्मा को बिठाया होता, सरस्वती जगदम्बा को बिठाया होता तो समझाने में सहज हो जाता। क्यों सहज हो जाता? क्योंकि असुर संघारणी, असुरों का संघार करनेवाली शक्तियाँ होती हैं या शंकर जैसे देवता होते हैं? शक्तियाँ होती हैं। मम्मा को अगर चित्रित कर देते, कमल की जगह, कमल नीचे की ओर दिखाया है ना, तो सहज हो जाता समझाने में कि शक्तियाँ ऐसा पार्ट बजाती हैं। जगदम्बा सरस्वती ने शरीर छोड़ने के बाद जिसका नाम जगदम्बा पड़ा है... वास्तव में जगदम्बा कौन है? ब्रह्मा। तो ब्रह्मावाली आत्मा कोई माता में प्रवेश कर के ऐसा पार्ट बजाती है की कीचड़ में रहते हुए भी कमल फूल के समान बुद्धि निर्लिप्त रहती है। ऐसा महाकाली का पार्ट बजाती है।

Baba: Four devices are shown in the four hands of Vishnu. Conch and discus have been shown in the upper hands and club and lotus have been shown in the lower arms. It has been said in a Murli: Had Mamma, Saraswati Jagdamba been shown to be sitting in place of Shankar, then it would have been easy to explain; why would it have been easy? It is because are *shaktis* the destroyer of demons, are the *shaktis* the ones who destroy the demons or do the deities like Shankar destroy? The *shaktis*. If Mamma had been depicted in place of lotus- lotus has been shown below, hasn't it?- then it would have been easier to explain that the *shaktis* play such part. Jagdamba Saraswati, after leaving her body…; the one who has been named Jagdamba…; actually, who is Jagdamba? Brahma. So, the soul of Brahma enters a mother and plays such a part; her intellect remains detached like a lotus flower even while living in murky waters. Mahakali plays such a part.

जैसे तुम बच्चे शंकर के पार्ट को समझ न सको। शंकर को महाकाल कहा जाता है। तो उसके मुकाबले महाकाली वो भी अड़भंगा पार्टवाली है। सबकी बुद्धि में वो पार्ट भी क्लीयर नहीं हो पाता। इसलिए कहते हैं - रचयिता का रहस्य जानना फिर भी सहज है लेकिन रचयिता भगवान बाप की रचना के राज़ को समझना बहुत कठिन है। शास्त्रों में भी लिखा

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

है ''विधियू न नारी हृदय गति जानी'' ब्रह्मा भी स्त्री के हृदय की गति को नहीं जानता। जो कमलफूल के समान जीवन है वो वही पहचान सकते हैं जिन्होंने ऐसा पार्ट बजाने की प्रैक्टिस की हो और उसमें सफल भी हुए हों। तो जगदम्बा का प्रैक्टिकल पार्ट की यादगार है कमल फूल।

For example (it is said in the Murlis that) you children cannot understand Shankar's part. Shankar is called *Mahaakaal*. So, in contrast to him Mahakali also plays a strange (*arbhanga*) part. That part also does not become clear in everyone's intellect. This is why it is said: it is easy to understand the secret of the Creator, but it is very difficult to understand the secret of the creation of the Creator, God the Father. It is also written in the scriptures, *Vidhiyu na nari hriday gati jaani'*. Even Brahma could not understand a woman's heart. Only those who have practiced playing such a (lotus-like) part and have been successful in that can understand a lotus-like life. So, the memorial of the practical part of Jagdamba is lotus flower.

विष्णु सम्पूर्ण रूप की यादगार है या सन् 68 की यादगार है? सम्पूर्ण रूप की यादगार है। तो जगदम्बा जब ऐसा महाकाली का पार्ट बजाती है कि रहती कीचड़ में है और कीचड़ में रहते बुद्धि से उपराम रहती है, तो पार्ट की यादगार है कमल फूल। वो शंकर का यादगार नहीं है। वो तो हाथ में कमल फूल दिखाया गया है। शंकर वाली आत्मा उन चारों भुजाओं में से एक भी भुजा का पार्ट नहीं बजाती। शंकर के नाम के साथ शिव जोड़ा जाता है। और कोई देवता का नाम शिव के साथ नहीं जोड़ा जाता। शंकर वाली आत्मा है चार भुजाओं को चलानेवाली और बाकी चार भुजायें हैं चलने वाली। उनमें एक का पार्ट हुआ कमल फूल, किसका? जगदम्बा। फिर जगदम्बा स्त्री चोला और उसके मुकाबले जस्ट विरोधी पार्ट कौनसा है? जगदम्बा महाकाली का पार्ट बजाती है। तो उसके मुकाबले में जस्ट विरोधी कोई महागौरी भी होगी ना, वो कौन?

जिज्ञासु- लक्ष्मी।

Is Vishnu a memorial of the complete form or is it of 1968? It is a memorial of the complete form. So, when Jagdamba plays the part of Mahakali that she lives in murky waters and even while living in murky waters her intellect remains detached; so the memorial of that part is the lotus flower. It is not the memorial of Shankar. There, the lotus flower has been shown in the hand. The soul of Shankar does not play the part of even one arm among those four arms. Only the name of Shankar is suffixed to Shiv; the name of no other deity is suffixed to Shiv. So the soul of Shankar is the one which controls the four arms. And the four arms operate. Among them one plays the part of lotus flower; who? Jagdamba. Then Jagdamba is a female body and when compared to her, what is the part just opposite to it? Jagdamba plays the part of Mahakali (the darkest one). So, when compared to her, there will be a Mahagauri (the fairest one) who is just opposite to her; who is she?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- उसका यादगार आयुध कौनसा दिखाया गया? शंखनाद। शंखनाद वही कर सकता है, वाणी उसकी काम करेगी जिसका प्रैक्टिकल जीवन सौ परसेन्ट पवित्र हो। अगर प्योरिटी नहीं तो ज्ञान का दूसरों के ऊपर असर भी नहीं होगा। कितने भी मेले मलाखड़े होते रहे, कितनी भी कॉन्फरेन्सेस होती रहे, कितने भी मेगा-प्रोग्राम होते रहे दुनियावालों के ऊपर कोई असर होनेवाला नहीं। तो शंख किस बात की यादगार है?

जिज्ञासु – वाणी की।

बाबा- पवित्रता के आधार पर सारी दुनिया में शंखनाद करने की यादगार है। सारी दुनिया में संदेश फैल जाता है कि भगवान बाप आया हुआ है। वो किस आत्मा की यादगार है? नीचे का हाथ महाकाली की यादगार और ऊपर का हाथ महागौरी की यादगार, कौन है महागौरी?

जिज्ञासु- छोटी मम्मी।

बाबा- हाँ जी, छोटी माँ । और फिर, चक्र। जो चक्र है वो मनन-चिंतन-मंथन की यादगार है। बेसिक नॉलेज की दुनिया में सबसे जास्ती मनन-चिंतन-मंथन करनेवाली आत्मा कौन थी? मम्मा। ऐसे ही एड़वान्स की दुनिया में सबसे जास्ती मनन-चिंतन-मंथन करनेवाली आत्मा भी निकलती है।

जिज्ञासु- कौन है?

बाबा- छोटी मम्मी। प्रैक्टिकल में मनन-चिंतन-मंथन कर के दिखाती है।

जिज्ञासु- शरीर तो नहीं है उसका।

Baba: Which device (*aayudh*) is shown in her memorial? The sound of conch (*shankhnaad*). Only that person can blow a conch, the words of that person will work, who is hundred percent pure in practical life. If there is no purity, then the knowledge will not at all have any effect on others. To whatever extent fairs may be organized, to whatever extent conferences may be organized, to whatever extent mega-programmes may be organized; there will be no effect on the people of the world. So, whose memorial is the conch?

Student: the vani.

Baba: It is a memorial of blowing the conch (of knowledge) in the entire world on the basis of purity. The message spreads in the entire world that God the Father has come. It is a memorial of which soul? The arm below is a memorial of Mahakali and the arm above is a memorial of Mahagauri; who is Mahagauri?

Student: The junior mother.

Baba: Yes. The junior mother. And then the discus (*chakkra*). The discus is a memorial of thinking and churning. In the world of basic knowledge which soul did the most thinking and churning? Mamma. Similarly, in the world of advance (party) also there emerges a soul which does the most thinking and churning.

Student: Who?

Baba: The junior mother. She sets an example of thinking and churning in practical.

Student: She does not have a body.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- एक होता है मन में सोचना। सोचने से ही काम सिद्ध हो जाता है या जो सोचा है वो प्रैक्टिकल करने से सिद्ध होता है?

जिज्ञासु- प्रैक्टिकल करने से।

बाबा- तो प्रैक्टिकल करनेवाली आत्मा है। अब शरीर जो है वो छोटी माँ का और प्रवेश करनेवाली आत्मा छोटी मम्मी, छोटी माँ माने ओमराधे सरस्वती। वो भुजा अलग हो गई। ऐसे ही गदा। तलवार में और गदे में क्या अंतर है? तलवार की धार तीखी होती है और गदा, गदे में धार नहीं होती है लेकिन हड्डियों को चकनाचूर कर देता है। तो ऐसे ही गदा के रूप में जो पार्ट बजानेवाली आत्मा है वो ब्रह्मा का, ब्रह्मा की यादगार है। ये चार आयुध है जो प्रैक्टिकल पार्ट बजाते हैं और चारों को चलानेवाला पाँचवी आत्मा जो ब्रह्मा कहा जाता है पाँचवां। उस ब्रह्मा की यादगार है जिसका सर काट दिया गया। कहते है ब्रह्मा के पाँच मुख थे। एक मुख काट दिया गया। जो काट दिया गया उसका देहभान अलग हो गया, आत्मा रह गई। वो आत्मा बाप समान। इसलिए शिव-शंकर को मिला के एक दिया गया। वो चारों भुजाओं को चलाने वाली साबित होती है। इसलिए अव्यक्त वाणी में बोला भी है ब्रह्मा का पार्ट स्थापना के कार्य में अंत तक नूँधा हुआ है। भुजायें ब्रह्मा के बगैर पार्ट नहीं बजाए सकती। हजार भुजावाले ब्रह्मा का पार्ट प्रैक्टिकल में चल रहा है। ये ब्रह्मा के शरीर छोड़ने के बाद की बात है या पहले की?

Baba: One is to think in the mind. Does someone succeed just by thinking or by bringing the thoughts in practical?

Student: By doing practically.

Baba: So, she is the one who does it practically. Well the body belongs to the junior mother and the soul that enters is the junior mummy, i.e. Om Radhey Saraswati; that arm is separate. Similarly, the club (*gadaa*). What is the difference between a sword and a club? A sword is sharp and a club is not sharp, but it breaks the bones into pieces. So, similarly the soul that plays a part in the form of a club is a memorial of Brahma. These are the four devices(weapons) who play a part in practical and the fifth soul that operates all the four, who is called the fifth Brahma, it is a memorial of the Brahma whose head was cut off. People say that there were five heads of Brahma. One head was cut off. The body consciousness of the one whose head was cut off was gone and the soul remained. That soul is equal to the Father. This is why Shiv and Shankar have been mixed up . He is proved to be the one who operates the four arms. This is why it has also been said in an Avyakta Vani that Brahma's part is fixed in the task of establishment till the end. The arms cannot play their part without Brahma. The part of the thousand-armed Brahma is being played in practical. Is it about the time after Brahma left his body or is it about the time before that?

जिज्ञासु- शरीर छोड़ने के बाद की।

बाबा- बाद की बात है। ब्रह्मा ने जब शरीर छोड़ दिया तो जिस तन में भी प्रवेश करके वो आत्मा पार्ट बजाती है चंद्रमा के रूप में उसकी हजार सहयोगी भुजायें एड़वान्स में काम

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

करती है। वो प्रैक्टिकल में नई दुनिया की स्थापना करने के लिए काम कर रही है इसलिए हजार भुजायें चलती है और चलानेवाला भी कोई है जरूर।

Student: After leaving the body.

Baba: It is about the period after (he left his body). When Brahma left his body, then the body in which that soul enters and plays its part in the form of a Moon, his thousand helping hands work in the advance party. They are working for the establishment of the new world in practical. This is why the thousand arms work and certainly there is also an operator.

समयः 19.03-29.26

जिज्ञासुः- बाबा बी के के अनुसार सतयुग में सब सूर्यवंशी होते हैं और त्रेतायुग में चंद्रवंशी होते हैं और यहाँ एड़वान्स में सतयुग में सूर्यवंशी और चंद्रवंशी दोनो होते हैं।

बाबा- एड़वान्स में।

जिज्ञासु- सतयुग में सब सूर्यवंशी कहलाती हैं और त्रेतायुग में चंद्रवंशी कहलाती हैं और एड़वान्स में रानी चंद्रवंशी और राजा सूर्यवंशी कहलाते हैं। कैसे?

Time: 19.03-29.26

Student: Baba, according to the B.K. everyone belongs to the Sun Dynasty (*Suryavanshi*) in the Golden Age and everyone belongs to the Moon Dynasty (*Chandravanshi*) in the Silver Age. And here in the Advance (party) there are both *Suryavanshis* and *Chandravanshis* in the Golden Age.

Baba: In the advance party.

Student: Everyone is called *Suryavanshi* in the Golden Age and everyone is called *Chandravanshi* in the Silver Age and in the advance party the queens are *Chandravanshis* and the kings are *Suryavanshis.*How is it?

बाबा- मुरली में बोला है राधा चंद्रवंश से और कृष्ण सूर्यवंश से आता है। चंद्रमा से जो पैदाईश होती है उसको कहते है चंद्रवंश और सूर्य से जो पैदाईश होती है उसको कहते है सूर्यवंश। ब्राह्मणों की दुनिया में चंद्रमा कौन है? ज्ञान चंद्रमा ब्रह्मा बाबा। शीतल पार्ट बजाया, तलखिली वाणी कभी नहीं बोली। तो ज्ञान चंद्रमा ब्रह्मा के रहबरी में आदि से लेकर अंत तक पलनेवाली आत्मायें वो चंद्रवंशी राधा और राधा की सहयोगिनी शक्तियाँ कही जाती है। औरों ने भी पालना ली लेकिन आदि से अंत तक पैरालल (parallel) होकर के पार्ट नहीं बजाती, कहीं ना कहीं क्रास भी करती हैं, ब्रह्मा का विरोध भी करती हैं, आज्ञाओं का उल्लंघन भी करती हैं लेकिन जो पक्की चंद्रवंशी आत्मायें हैं वो राधा जैसी आत्मायें हैं। इसलिए बोला कि कृष्ण सूर्यवंश का, ऊंच कुल का, और राधा चंद्रवंश की; तो दो कुल हो जाते हैं, दो वंश हो जाते हैं। अब दोंनो मिलकर एक कैसे हो जो एक राजधानी तैयार हो। इसलिए बड़ी भारी मूंझ हो गई है ,ये मुँझान कैसे दूर हो?

Baba: It has been said in the Murli: Radha is from the Moon Dynasty and Krishna is from the Sun Dynasty. Progeny born from the Moon is called the Moon Dynasty (*Chandravansh*) and the progeny born from the Sun is called the Sun Dynasty (*Suryavansh*). Who is the Moon in the world of Brahmins? The Moon of knowledge,

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Brahma Baba. He played a cool part; he never uttered harsh words. So, the souls which received sustenance in the company of the Moon of knowledge Brahma from the beginning to the end are called *Chandravanshi* Radha and Radha's helper *shaktis.* Others also received sustenance, but they do not play a parallel role from the beginning to the end; they also cross somewhere or the other; they also oppose Brahma; they also violate the orders, but the firm *Chandravanshi* souls are souls like Radha. This is why it has been said, 'Krishna belongs to the Sun Dynasty, a higher clan and Radha belongs to the Moon Dynasty; so, there are two clans, two dynasties. Well, how should these two become one to establish a single kingdom? This is why there is a big confusion'; how should this confusion be removed?

जिज्ञासु- जब लक्ष्मी आयेगी।

बाबा- हाँ, जब चंद्रवंशी राधा आकर के सूर्यवंशी कृष्ण के साथ मिले क्योंकि सूर्यवंशी कृष्ण तो ऊंच कुल का, वो तो चंद्रवंशियों में जाए न सके। इसलिए भारत की परम्परा में, खासकर के ऊंच वर्ग में ब्राह्मणों में और क्षत्रीयों में, कन्या पक्ष के लोग वर पक्ष के पास जाते है या वर पक्ष के लोग कन्या पक्ष के पास जाते है?

जिज्ञासु- कन्या पक्षवाले।

Student: When Lakshmi comes.
Baba: Yes. [It will be removed] when the *Chandravanshi* Radha comes and meets the *Suryavanshi* Krishna because the *Suryavanshi* Krishna belongs to a higher clan; he cannot go to the *Chandravanshis*. This is why in the Indian tradition, in the higher class, especially among the Brahmins and *Kshatriyas* (the warrior class), do the bride's relatives go to the bridegroom's place or do the bridegroom's relatives go to the bride's place?
Student: The bride's relatives (go to the bridegroom's place).

बाबा- कन्या पक्षवाले जो थोड़े नीचे कुल के माने जाते हैं, वो ऊंच कुलवालों के पास जाते है। तो ये परम्परा कहाँ से पड़ी? ब्राह्मणों के संगमयुग से पड़ी जब कि बाप भगवान बाप इस सृष्टि पर आकर के चंद्रवंशी राधा और सूर्यवंशी कृष्ण का 21 जन्मों के लिए संयोग कराते हैं। ये संगमयुग की परम्परायें भक्तिमार्ग में जन्मजन्मान्तर चलती चली आई हैं, और?

Baba: The bridegrooms' clan which is considered to be slightly lower in position goes to those who belong to the higher clan. So, where was this tradition started? It started in the Confluence Age of Brahmins, when God the Father comes in this world and unites the *Chandravanshi* Radha and the *Suryavanshi* Krishna for 21 births. These traditions of the Confluence Age have continued in the path of worship for many births. Anything else?

जिज्ञासु- बाबा

बाबा- एक मिनट। आपकी समझ में आ गई सूर्यवंश-चंद्रवंश वाली बात सतयुग-त्रेता की?

जिज्ञासु- तो बाबा यहाँ भी कोई सूर्यवंशी-चंद्रवंशी। यहाँ भी जो आत्मायें है अभी, वो सूर्यवंश की और चंद्रवंशी है

बाबा- चंद्रवंशी तो सारे है बी.के.में।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- माना अभी जो नई आत्मायें आ रही हैं।

बाबा- जो आ रही हैं वो वहाँ से निकाले हुए आ रहे हैं, धक्का दिये हुए आ रहे हैं। जिनको देश निकाला मिलता है वो कौरव होते हैं या पाण□व होते हैं?

जिज्ञासु- पाण्ड़व होते हैं।

बाबा- जिनको देश निकाला मिलता है वही पण्ड़ा कुल के कहे जाते हैं।

Student: Baba.
Baba: Just a minute; did you understand about *Suryavansh* and *Chandravansh* of the Golden Age and Silver Age respectively?
Student: So, Baba even here there are *Suryavanshis* and *Chandravanshis*. The souls that are present here, do they belong to the Suryavansh and Chandravansh...
Baba: All the *Chandravanshis* are among the BKs.
Student: Does it mean that the new souls that are coming now…
Baba: Those who are coming are the ones who have been banished from there, those who have been pushed out from there. The ones who are banished, are they Kauravas or Pandavas?
Student: They are Pandavas.
Baba: Only those who are banished are said to belong to the Panda's clan.

जिज्ञासु- उनकी इच्छा है कि मै रानी ही बनूँगी।

बाबा- कौन?

जिज्ञासु- जो प्रशन पूछ रहे हैं।

बाबा- क्यों?

जिज्ञासु- हाँ, उन्हें रानी ही बनना है।

बाबा- रानी।

जिज्ञासु- रानी बनना है।

बाबा- रानी बनने वाली जो आत्मायें होती हैं वो तो जन्म-जन्मान्तर की वो पवित्र आत्मायें हैं जिन्हें ज्ञान लेने की दरकार है ही नहीं। अभी तक भी एड़वान्स में नहीं आई हैं। अरे, ज्ञान जल की दरकार गंदे कपड़े को है या पवित्र कपड़े को है?

जिज्ञासु- गंदे कपड़े को।

बाबा- जो गंदा कपड़ा होता है उसको ज्यादा जल की दरकार है और भगवान बाप पवित्र आत्माओं को चुनता है पहले या अपवित्र आत्मा को पहले चुनता है?

जिज्ञासु- अपवित्र आत्मा को।

Student: She desires to become a queen only.
Baba: Who?
Student: the one who asked this question. .
Baba: Why?
Student: Yes, she wants to become only a queen.
Baba: A queen?
Student: She wants to become a queen.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: The souls who will become queens are souls who have been pure for many births, who need not obtain knowledge at all. They haven't yet entered the advance (party) at all. Arey, does a dirty cloth require water of knowledge or does a pure cloth require the water of knowledge?
Student: The dirty cloth.
Baba: The dirty cloth requires more water of knowledge and does God the Father select the pure souls first or the impure souls first?
Student: The impure souls.

बाबा- भगवान ये नहीं देखता कि ये पवित्र है ये अपवित्र है। भगवान पहली क्वालिटी देखता है, वो कौनसी क्वालिटी है?

जिज्ञासु-...

बाबा- हाँ, दुनिया के पास ये क्वालिटी नहीं है और बाप के तुम बच्चे हो जिनमें ये क्वालिटी है कि बाप को पहचान लेते हैं। चंद्रवंशी बाप को नहीं पहचानते, इस्लामवंशी बाप को नहीं पहचानते, कोई भी वंशवाले बाप को नहीं पहचानते। जो 2036 तक पक्के सूर्यवंशी बनने वाले हैं वही बाप को पहचानते है। तो ये है बाप की माला, रूद्रमाला, राजयोग सीखने वालों की माला। तो बाप से राजयोग सीखने वाला मणका बनना है, बाप राजयोग सिखाकर के राजा बनाने आया है, स्वाधीन बनाने आया है, अधिकारी बनाने आया है या रानियों की तरह आधीन बनाने आया है?

जिज्ञासु- अधिकारी बनाने।

बाबा- आप क्या बनना चाहते है? माताजी, आधीन बनना चाहते है जन्मजन्मान्तर या अधिकारी बनना चाहते हैं?

जिज्ञासु-....

बाबा- अधिकारी बनना चाहते हैं तो सही जगह आ गये।

Baba: God does not see whether someone is pure or impure. Which quality does God see first?
Student said something.
Baba: Yes, the world does not have this quality and you, the children of the Father have this quality that you recognize the Father. The *Chandravanshis* do not recognize the Father, the *Islamvanshis* do not recognize the Father; people belonging no other clans recognize the Father. Only those who will become firm *Suryavanshis* by 2036 recognize the Father. So, this is the Father's rosary, the *Rudramala*, the rosary of those who learn *rajyog*. So, you have to become a bead that learns *rajyog* from the Father…; Has the Father come to teach *rajyog,* to make you a king, to make you independent, to make you the one with authority (*adhikari*) or has He come to make you subordinate like the queens?
Student: To make us the ones with authority.
Baba: What do you want to become? Mataji, do you want to become subordinate or *adhikari* for many births?
Student said something.
Baba: If you want to become *adhikari*, you have come to the right place.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- बाबाजी, मुरली में बाबा ने बोला है कि 9 कुरी के ब्राह्मण होते हैं और एड़वान्स में सूर्यवंशी के ब्राह्मण आये हैं। तो ये कौनसे कुल के ब्राह्मण हैं?

बाबा- सब अभी सूर्यवंशी नहीं हैं। इनमें सब बीज तो हैं, जिनके लिए पक्का है कि पूरे जन्म लेने वाले हैं। बीज कभी नष्ट नहीं होता, क्या? बीज जो है ये सब 84 जन्म लेने वाले हैं लेकिन इनमें छिलके अलग-2 प्रकार के चढ़े हुए हैं। कोई में सूर्यवंश का हल्का छिलका चढ़ा हुआ है, कोई में चंद्रवंश का छिलका चढ़ा हुआ है, कोई में इस्लाम वंश का छिलका चढ़ा हुआ है। इस्लाम वंश का छिलका चढ़ा हुआ होगा, वो काम विकार को कितना भी छोड़ना चाहे, जल्दी छूटता ही नहीं। परेशान, हैरान होते रहते है। कोई को बौद्धी धर्म का छिलका चढ़ा हुआ है। जैसे बौद्धी लोग मांगे बिगर रह नहीं सकते। बौद्धी भिक्षु होते हैं ना - भिक्षु-भिक्षुणि।

Student: Babaji, Baba has said in a Murli that there are Brahmins of nine categories and in the advance (party) the *Suryavanshi* Brahmins have come. So, they belong to which clan of Brahmins?

Baba: Now everyone is not *Suryavanshi*. They include all kinds of seeds about whom it is firm that they will take complete births. A seed is never destroyed; what? All the seeds are the ones that take 84 births, but they are covered by different kinds of peels. Some are covered by the lighter peel of *Suryavansh.* Some are covered by the peel of *Chandravansh*. Some are covered by the peel of *Islamvansh*. If someone is covered by the peel of Islam dynasty, he will not be able to get rid of the vice lust to whatever extent he may try. They keep being troubled, disturbed (by lust). Some are covered by the peel of Buddhism. For example, Buddhists cannot live without begging. There are Buddhist *Bhikshus* (alms-seekers), aren't there. *Bhikshu-Bhikshunis*.

कोई पे क्रिश्चियन धर्म का छिलका चढ़ा हुआ है - अंदर से कुछ और और बाहर से कुछ और। और भयंकर क्रोधी। बाहर से क्रोध नहीं दिखाई देगा लेकिन अंदर में ऐसा क्रोध होगा तो पकड़ ले तो भस्म ही कर दे। एटम बम्ब से फोड़-फाड़ के सारी दुनिया ही खलास कर दें। इतना भी ध्यान नहीं रहता कि उस दुनिया में हम भी बैठे है। तो ये बीज तो है 84 जन्म लेनेवाले एड़वान्स में। आज नहीं तो कल ये पक्के सूर्यवंशी बनेंगे तो जरूर। बाप इनको छोड़ेगा नहीं; लेकिन छिलका अलग-2 प्रकार का चढ़ा हुआ है-देहभान का। वो छिलका उतर जायेगा। कोई का पहले उतरेगा, कोई का बाद में उतरेगा।

Some are covered by the peel of Christianity. They are something inside and something else outside, in addition they are ferociously wrathful. Their anger will not be visible from outside, but they will have such anger inside that if they catch you they will burn you. They will explode the atom bombs and destroy the entire world. They do not even realize that they are living in the world, too. So, there are seeds who take 84 births, in the advance (party). If not today, [at least] tomorrow they will become firm *Suryavanshis.* The Father will definitely not leave them. But they are covered by different kinds of peels of body consciousness. That peel will be removed. Someone's peel will be removed soon and someone's peel will be removed later on.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 32.57-38.02

जिज्ञासुः- बाबा, जब शरीर छोड़ते है हिंदू धर्म में तो वो □□ बॉड़ी को जला के और राख नदी में डुबो देते है और बाद में वो पिंड़ तैयार करके उसकी पूजा करके उसको भी □बा देते हैं। उसका अर्थ क्या है?

बाबा- भक्तिमार्ग में जो भी होता है यादगार कहाँ की है? संगमयुग की यादगार है। हिंदुओं में जलाते हैं, राख बन जाती है। और दूसरे-दूसरे धर्मों में जलाते नहीं है, जलाय-भुनाके राख नहीं करते हैं, मिट्टी में दबा देते हैं। इसका मतलब ये हुआ कि और धर्म की जो आत्मायें हैं या और धर्मों में जो कनवर्ट होनेवाले हैं ब्राह्मण, वो देहअभिमान की मिट्टी को पूरा नहीं त्याग पाते। जब भगवान बाप आते हैं तो कुछ न कुछ देहअभिमान की मिट्टी में उनकी आत्मा दबी रहती है इसलिए उनका यादगार बना हुआ है कि मिट्टी में दबाये जाते हैं उनके शरीर। और हिंदुओं के जलाए जाते हैं। जलाने के बाद भी क्या करते हैं? इनकी आत्मा से पिंड़ छूटे।

जिज्ञासु-पिं□ दान

बाबा- हाँ, तो पिंड़ दान करते है। बिल्कुल ही याद न आये। उसको कहते हैं नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा। एक बाप ही याद आये । और सबकी याद से हमारा पिंड़ छूटे। तब ऊँच पद बने।

Time: 32.57-38.02

Student: Baba, when someone leaves his body, in Hinduism, they burn the dead body and put the ashes in the river and later on they prepare its *pind*[1]. They worship it and drown it as well. What does it mean?

Baba: Whatever happens in the path of *bhakti* is a memorial of which time? It is a memorial of the Confluence Age. Hindus burn the dead bodies, which turn into ashes. People of other religions do not burn dead bodies; they do not burn it to ashes; they bury it in the soil. It means that the souls of other religions or the Brahmins who convert to other religions are unable to renounce the soil of body consciousness completely. When God the Father comes, their soul remains buried under the soil of body consciousness to some extent or the other. This is why there is a memorial for them that their bodies are buried in soil. And the bodies of Hindus are burnt. What do they do after burning, too? [They think,] 'We should get rid of his soul'.

Student *: pind daan*.

Baba: Yes, so they do *pind-daan*. We should not at all remember (about the deceased person). This is called *nashtomoha smritilabdha*[2]. We should remember only the one Father. We should get rid of the thoughts of all the others. Then we will achieve a high post.

[1] A cake or ball of meal, food, flour or rice offered to spirits of ancestors.

[2] Conquering of attachment and having the awareness of the soul and the Father.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- बाबा ये अलग-अलग धर्म बनाये तो किसने बनाये?
बाबा- आत्मा बनाई जाती है? आत्मा बनी बनाई है या बनाई जाती है?
जिज्ञासु- बनी बनाई है।
बाबा- आत्मा बनी बनाई अविनाशी है और पाँच तत्व बनाये जाते हैं या बने बनाये हैं? पाँच तत्व भी बने बनाये हैं। तो जो ये स्वभाव संस्कार हैं हर आत्मा रूपी रिकार्ड में भरे हुए अनेक जन्मों के ये भी अविनाशी हैं। उन स्वभाव-संस्कारों के आधार पर ही ये धर्म बने हैं। वो धर्म भी अविनाशी हैं। अपने-अपने टाईम पर प्रत्यक्ष हो जाते हैं। द्वापरयुग से अनेक धर्म प्रत्यक्ष हो जाते हैं। उसका नाम ही है द्वापुर। एक पुर नहीं, एक धर्म, एक राजा नहीं। दो पुर माना हर बात में द्वैत और देवतायें होते है अद्वैत। न दूसरा धर्म है, न दूसरा राजा है, न दूसरी भाषा है, न दूसरा मत है, न दूसरा कुल है। इसलिए अद्वैत है देवतायें। अदिति से पैदा होते हैं अद्वैत और दिति से पैदा होते हैं द्वैत, दैत्य। क्या? ये दैत्य और ये देव। इनकी पैदाईश कहाँ से होती है? व्यभिचार से पैदा होते हैं दैत्य और अव्यभिचार से पैदा होते हैं देवता, अद्वैत। पैदा करनेवाली माताओं का नाम रख दिया है जो मुरली में आज बोला - कोई सूर्पनखा, पूतनायें होती हैं जो व्यभिचार का दरवाजे खोलकर के बैठ जाती हैं। ये आँखें, ये बोल, ये कान, ये वायब्रेशन, ये शरीर की इन्द्रियाँ, ये सब दरवाजे हैं। जो व्यभिचार का दरवाजा खोलकर के बैठ जाती हैं भगवान बाप के आने के बाद भी। उनसे पैदा होते हैं, कौन? दैत्य। वो हो गई, उनका नाम दिति । जैसे नम्बरवार अर्जुन हैं। एक अर्जुन की बात नहीं, ऐसे ही नम्बरवार दिति भी है, नम्बरवार अदिति भी है।

Student: Baba, who created these different religions?
Baba: Is a soul created? Is a soul eternal or is it created?
Student: It is eternal.
Baba: A soul is eternal, imperishable; and are the five elements created or are they eternal? The five elements are also eternal. So, the nature and *sanskars* of many births that are recorded in a soul are also eternal. The religions have been formed only on the basis of those natures and *sanskars*. Those religions are also imperishable. They are revealed when their time comes. Many religions are revealed from the Copper Age. It's very name is *Dwapur*. It is not one *pur* (abode), one religion, one king. *Do pur* (two abodes) means there is duality in every issue and deities are *adwait* (non-dualistic). There is no second religion, no second king, no second language, no second opinion, no second clan; this is why deities are *adwait. Adwait* are born from Aditi and *dwait*, *daitya* (demons) are born from Diti. What? These demons and these deities; how are they born? Adultery leads to the birth of *daitya* (demons) and purity (*avyabhichaar*) leads to the birth of deities, *adwait*. The mothers who give birth to them have been given names like it was told in today's Murli: there are some Surpankhas, Pootnas who open the gates of adultery. These eyes, these words, these ears, these vibrations, these organs of the body are all gates. Those who open the gates of adultery even after the arrival of God the Father, who are born form them? Demons. They are, their name is Diti. Just as there are *number wise*[3] Arjuns. It is not about one Arjun; similarly, there are *numberwise* Ditis; and also *number wise* Aditis.

[3] According to their own capacity.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 38.07-40.15

जिज्ञासुः- बाबा जो संकल्प हम करते हैं वो किसी को टच होता है तो वो बोलते हैं कि हमने अभी आपको याद किया, आप आ गये। तो जो संकल्प करते हैं वो श्रेष्ठ है या जो कैच करती है उनका कैच करना श्रेष्ठ मान सकते, पावर।

बाबा- दिल को दिल से राहत होती है। जिसका दिल जिससे मिला हुआ होता है उसके दिल की बात दिलावर के पास पहुँच जाती है। अभी आगे चलकर के बहुत देखेंगे जैसे आदि में साक्षात्कार होते थे - ब्रह्मा का साक्षात्कार होता था, कृष्ण बच्चे का साक्षात्कार होता था और पहुँच जाते थे सतसंग में। ऐसे ही अंत में बाप का साक्षात्कार होगा। साक्षात्कार नहीं होगा तो स्वप्न में आवेगा, बार-2 संकल्प में आवेगा। अभी भी कोई-2 अनुभव करते हैं कि बाबा का जब आना होता है तो पहले से हमारे संकल्प चलने लग पड़ते हैं, स्वप्न में आ जाता।

जिज्ञासु-मनसा में बार बार आता है। बाबा आयेंगे बाबा आयेंगे।

Time: 38.07-40.15

Student: Baba, if our thoughts touch someone, they say, I remembered you just now and you came. So, is the one who creates such thoughts elevated or the one who catches (those thoughts) can we consider the process of catching elevated .....?

Baba: The heart touches the heart. The person whose heart is connected to someone, the thoughts of that person reaches the beloved (*dilaawaar*). Now you will see a lot of this in future; just as visions were experienced in the beginning – they had visions of Brahma; they had visions of child Krishna and they used to reach the *satsangs*[4]. Similarly, people will have the visions of the Father in the end. If not visions, they will have dreams, they will get thoughts repeatedly. Even now some people experience [they say], 'when Baba is scheduled to come, we start getting thoughts beforehand, we have dreams'.

Student: It comes to my mind again and again, Baba will come, Baba will come.

बाबा- इसलिए तो कहते हैं अपन को आत्मा समझ मुझ बाप को याद करो, मनमनाभव। मेरे में मन लगाओ। मन माना दिल।

जिज्ञासु- ...4 नहीं तो 8 दिन में बाबा आते हैं।

बाबा- हाँ जी। वो संकल्पों की तीव्रता की ऊपर निर्भर है।

जिज्ञासु- तो जो कैच करती है वो पॉवरफुल या जो संकल्प करती है वो पॉवरफुल?

बाबा- दोंनो ही एक समान होंगे। जैसे टेलिफोन होता था, टेलिफोन का वायर जुड़ेगा तो कनेक्शन होगा, जुड़ेगा नहीं तो कनेक्शन, एक वायर इधर मुड़ जाये और एक (वायर) आगे बढ़ता रहे कनेक्शन तो होगा ही नहीं। दोंनो का समान कनेक्शन चाहिए।

[4] The company of truth.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: This is why you are told: consider yourself to be a soul and remember Me, the Father. *Manmanabhav*. Keep your mind busy in Me. Mind means heart.
Student: …Baba comes within four to eight days (of such thoughts).
Baba: Yes. That depends on the intensity of the thoughts.
Student: So, is the person who catches (the thoughts) powerful or is the person who creates those thoughts powerful?
Baba: Both are equal. For example, there used to be (landline) telephones; if the telephone wire is joined, there will be a connection; if the wire is not joined then the connection…; if one wire turns this side and one wire goes straight, then there will not be any connection at all. Both need to have equal connection.

समयः 40.16-42.02

जिज्ञासुः- और बाबाजी, माउन्ट आबू इतना अच्छा क्यों लगता जी? ...माउन्ट आबू ही दिखता।

बाबा- जो जिस धर्म का होगा। जो, मुरली में बोला है जो जिस धर्म का होगा वो उसी को फॉलो करेगा। उसकी बुद्धि भी उसके पीछे-2 जायेगी, उसकी आँख भी बार-2 वही देखेगी, उसके कान भी वही-2 बातें सुनेंगे - दीदी ने क्या कहा?, दादी ने क्या कहा?

जिज्ञासु- नहीं। वो संकल्प आते ही नहीं बाबा जी।

बाबा- पैंतरा बदल दिया आपने।

जिज्ञासु- नहीं-2, वो भगवान सुन रहा है। भगवान है तो एक सत्य बाप ही तो सुन रहा है ना जो दिल की बात।

बाबा- क्या?

Time: 40.16-42.02
Student: And Babaji, why do I like Mount Abu so much? ...I see Mt. Abu.
Baba: Whoever belongs to whichever religion; it has been said in a Murli: whoever belongs to whichever religion will follow the person of that religion. His intellect will follow him, his eyes will also see the same thing again and again, his ears will also listen to the same things again and again: What did Didi say? What did Dadi say?
Student: No. I do not get such thoughts at all, Babaji.
Baba: You have changed tracks.
Student: No, no. God is listening. When there is God, one true Father is listening to the matter of the heart.
Baba: What?

जिज्ञासु- जो बोल रही हूँ तो वो सुन रहा है। इतना ही दिखता कि बस पहाड़ी दिखती और मैं जाके वहाँ बैठ जाती, योग में बैठ जाती। कभी-2 राम बाबा भी दिखते हैं और पूरे जो बच्चे हैं वो वहाँ बैठे हैं और बाबा के योग में सब जने बैठते हैं।

बाबा- माना भविष्य की बातें दिखाई देती है। बहुत अच्छी बात है। और?

जिज्ञासु- जो बड़ा हॉल है ना वहाँ ये पूरा भर के है और जो बाबा है और सब योग में बैठे हैं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- ठीक है। अव्यक्त वाणी में बोला है - रावण बीस नाखूनों का जोर देकर के तुम्हारे लिए राजधानी तैयार कर रहा है। क्या? चाहे जमुना के कंठे पर हो और चाहे शांतिधाम बननेवाले माउन्ट आबू में हो। जो कुछ भी तैयारी हो रही है किसके लिए हो रही है? तुम बच्चों के लिए हो रही है।

Student: He is listening to whatever I am saying. I see just the mountains and I go and sit there in yog. Sometimes I also see Ram Baba and all the children sitting there and everyone is sitting in Baba's yog.
Baba: It means that you see the future. It is good. Anything else?
Student: The big hall is completely occupied and Baba and everyone is sitting in yog.
Baba: It is ok. It has been said in an *Avyakta Vani*, 'Ravan is preparing a kingdom for you by using all the twenty fingers (i.e. all his strength)'. What? Whether it is on the banks of Yamuna and whether it is in Mount Abu, which becomes the abode of peace. For whom are all the preparations being made? It is being made for you children.

समयः 46.55-47.50

जिज्ञासुः- बाबा मुरली में बोला है कि राम, रावण बनता है और कृष्ण, कंस बनता है।

बाबा- ठीक है।

जिज्ञासु- जब राम ही रावण बनता है मगर लास्ट में वो स्वरूपनिष्ठ और आत्मनिष्ठ होता है तो रावण कैसे हो गया?

बाबा- दिखाई पड़ता है। बनता है, 'बनता है' का मतलब है नहीं। जैसे अभी बोला - बाप विदेशी बनकर आये हैं। तो विदेशी बनने में और विदेशी होने में अंतर है या नहीं?

जिज्ञासु- है।

बाबा- वो विदेशी बनकर के आये हैं; हैं नहीं विदेशी। पार्ट बजाए रहे हैं। देखनेवालों को ऐसा दिखाई पड़ता है - विदेशी है, स्वदेशी नहीं है। ऐसे ही आपकी ये बात है।

Time: 46.55-47.50
Student: Baba it has been said in a Murli that Ram becomes Ravan and Krishna becomes Kansa.
Baba: It is ok.
Student: When Ram himself becomes Ravan, but he becomes *swarupnishth* (someone who becomes constant in his original form) and *aatmanishth* (someone who becomes constant in soul conscious stage) in the last. So, how is he Ravan?
Baba: He appears so. He becomes; 'He becomes' means that 'actually he is not so'. For example, it was said just now: The Father has come in the form of a foreigner (*videshi*). So, is there a difference between becoming a *videshi* and being a *videshi* or not?
Student: There is (a difference).
Baba: He has come in the form of a *videshi*; actually he is not a *videshi*. He is playing such part. To the spectators it appears that he is a *videshi*, he is not a *swadeshi.* Similar is the case with you.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 48.52-49.50

जिज्ञासुः- बाबा, बाबा ने बोला है नेपाल, भूटान, पाकिस्तान और बांग्लादेश आगे चलकर एक हो जायेगा। इसका बेहद में अर्थ क्या है?

बाबा- माना जो भी अभी भारत के पड़ोसी देश हैं, भारत के नजदीकी हैं। जो पहले भारत का ही खंड़ थे। वो सब मिलकर के अखंड़ भारत बन जायेगा क्योंकि जो पाकिस्तान में जो मुसलमान हैं वो ओरिजनल मुसलमान ज्यादा हैं या हिंदुओं में से कनवर्ट होकर के फिर मुसलमान बने वो ज्यादा हैं? कनवर्टेड़ हुए हैं। ओरिजनल में वो क्या थे? हिन्दू थे। तो जो हिंदू थे वो फिर हिंदू बन जायेंगे, हिंदू से देवता बन जायेंगे।

Time: 48.52-49.50

Student: Baba, Baba has said: in future Nepal, Bhutan, Pakistan and Bangladesh will unite. What does it mean in an unlimited sense?

Baba: It means that the countries which are now the neighboring countries of India, which are close to India, which were a part of India earlier; all of them will unite to form undivided India because…, are most of the Muslims of Pakistan originally Muslims or have they converted from among Hindus and then become Muslims? They have converted. What were they originally? They were Hindus. So, those who were Hindus will again become Hindus; they will change from Hindus to deities.

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info